[श्री रामदास अग्रवाल]

जो प्रोजेक्ट दिये जाते हैं, उनकी अंत में क्या दुर्दशा होती है ।

[उपसभाध्यक्ष (श्रीमती जयन्ती नटराजन) पीठासीन हुई]

एनविरनमेंट मिनिस्ट्री हम लोगों ने बनाई है और हम चाहते हैं कि प्रदूषण कम से कम हो, लेकिन धीरे-धीरे कुछ इस प्रकार के अनुभव आ रहे हैं कि एनविरनमेंट मिनिस्ट्री प्रोजेक्ट्स को किन्हीं छोटे-छोटे कारणों के आधार पर या कुछ ऐसे मानदंड या मापदंड बना कर रिजेक्ट करती जा रही है, जिसके कारण प्रदेशों में पावर प्रोजेक्ट्स लगाना संभव नहीं हो पा रहा है । यह प्रदूषण की बात जो कही जाती है, मेरा उससे सिद्धांत रूप से विरोध नहीं है, लेकिन वास्तविक रूप में जब उसको पालन करने का प्रश्न आता है, उस समय हमारे नार्म्स इस प्रकार से फिक्स-अप किये हुए हैं कि जो शायद डिवैलप्ड कंट्रीज में भी लागू नहीं है ।

राजस्थान के धौलपुर पावर प्रोजेक्ट की यही दुर्दशा गये पांच साल से होती चली जा रही है । 1984-85 में प्रोजेक्ट बनाया गया था, लेकिन उसके पश्चात् 1986 में उसको रिजेक्ट किया, इसी आधार पर कि वहां पर प्रदूषण हो जाएगा और एनविरनमेंट मिनिस्ट्री ने उसको रिजेक्ट कर दिया । फिर 1988 में उसको दूसरे साईट के ऊपर भी रिजेक्ट कर दिया गया । फिर 1990 में तीसरे साईट का सुझाव दिया गया । उसको भी रिजेक्ट कर दिया गया । और अब जो चौथा सुझाव एनविरनमेंट मिनिस्ट्री के पास आया है, उस पर भी अभी टेक्नीकल ढंग से जांच-पड़ताल चर रही है ।

मैं निवेदन करना चाहता हूं कि क्या यह जो इस प्रकार की व्यवस्था हमने बनाई है, यह जो व्यवस्था हम चला रहे हैं, इसके आधार पर क्या राजस्थान का धौलपुर प्रोजेक्ट--या तो एनविरनमेंट मिनिस्ट्री एक बार यह कह दे कि वह उसको किसी रूप में आगे कनसिडर करने के लिए तैयार नहीं है--(घंटी)- यह बात तो समझ में आती है, लेकिन बार-बार उसको रिजेक्ट कर दिया जाता है । उससे राजस्थान का औद्योगिक विकास एक प्रकार से रुकने की स्थिति में आ गया है । वर्तमान सरकार राजस्थान में बहुत प्रयत्न करके चार हजार करोड़ रुपये की इनवेस्टमेंट लाने का प्रयत्न कर रही है । अगले तीन-चार सालों में, लेकिन यदि पावर प्रोजेक्ट्स राजस्थान में सैंक्शन नहीं किए जायेंगे और केवल प्रदूषण के आधार पर एन्वायरनमेंट मिनिस्ट्री उसको रोक करके खत्म कर देगी तो महोदया, फिर राजस्थान का औद्योगिक विकास या वहां पर कृषि में विकास किस प्रकार से होगा ? आखिर, पावर यह तो एक आवश्यक एलीमेंट है उद्योग के किसी भी विकास के लिए या कृषि के विकास के लिए । इसलिए मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं और मैं मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि वह कम से कम इस बात का दो टूक फैसला दें कि धौलपुर का प्रोजेक्ट वह पास करना चाहते हैं या नहीं, केवल इधर-उधर के बहाने लगा कर उसको रिजेक्ट करना अनुचित है । धन्यवाद ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Mr. Salim, do you want to say something?

Winning of Junior Singles Title by Lender paes in U. S. open Tennis Championship

SHRI MD. SALIM (West Bengal): Madam, I want to raise one point, while we are busy in dividing ourselves with the issues relating to Tamil Nadu and Assam.

I think the whole House will join me in congratulating Leander Paes who has won the Junior singles title in the U.S. Open Championship. Though a junior boys' title, but in India we find that we are third-rate in the field of sports and very little time we devote to this in this House, yet I hope the Elders will join me in congratulating Leander Paes.

Madam, with this I want to add one point. I was disappointed when last night I was watching Doordarshan. Now we have very little achievement in the field of sports. But when an Indian boy is winning a junior title in New York, the Indian TV was busy in showing those clippings which were being shown from other advanced, capitalist countries. But we could not see Leander Paes in action when the news was being telecast here. The Minister in charge of sports and youth affairs is here. I would urge that it is necessary to encourage the younger generation. So I think that Doordarshan should collect video tape of that final game and show it after proper publicity.

Thank you, Madam.

श्री सिकन्दर बख्त (मध्य प्रदेश) : हम इसमें अपने आपको वाबस्ता करते हैं । बहुत खुशी की बात हैं ।

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): I also want to associate myself. I will request Mamataji...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Now the Minister wants to say something.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS) (KUMARI MAMATA BANERJEE): I want to congratulate the hon. Member who has raised this issue. From our Department yesterday afternoon itself we have sent our congratulations to Leander Paes. (*Interruptions*) I also request through you the Information and Broadcasting Ministry to give more importance and give seriousness in this matter so that such events should be shown on the TV in proper time.

I will also refer this to the Minister of Information and Broadcasting.

Need to change the system, including the Constitution

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Shri R. K. Karanjia.

SHRI R. K. KARANJIA (Nominated): Madam Vice-Chairman and hon. Members, as this happens to be my maiden speech... (*Interruptions*)

SOME HON. MEMBERS: You have already made one.

SHRI R. K. KARANJIA: I have made two. These were two interventions. It was not my maiden speech. We are entitled to intervention.

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH (Bihar): But you have to address only the Chair, not the Members.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Let him continue.

SHRI R. K. KARANJIA: I was just making an excuse, because this is an important subject and I wanted to crave Chairman's indulgence so far as the time factor is concerned. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): I suggest that you let him get on and also keep in mind the time factor.

SHRI R. K. KARANJIA: Thanks for the permission.

I see the new economic policies as a mini revolution setting the nation's policy, its socio-economic system and its system of governance itself in commotion. If properly handled in this all-embracing dimension of an outright wholesale system change--I repeat an outright wholesale system change—it could be the small beginning of a resurrection of the nation from a dead or dying system. On the other hand, if distorted or scuttled, it could lead to a tragedy of the kind that the Soviet Union is today experiencing. I welcome the changes. Although I would have preferred Mr. Atal Bihari Vajpayee's package of a